बी0ए0 (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र

Code HPI-G202 **प्रबन्धन का दर्शनशास्त्र**

समयः 3 घण्टे

पूर्णांकः 100+50 = 150

प्रथम इकाई– प्रबन्धन का अर्थ, परिभाषाएँ एवं प्रकृति, प्रबन्धन के कार्य एवं प्रमुख सिद्धान्त, प्रबन्धक के प्रमुख गुण।

द्वितीय इकाई– प्रबन्धन के प्रमुख प्रकार– आत्म प्रबन्धन, समुदाय प्रबन्धन समाज प्रबन्धन एवं व्यवसाय प्रबन्धन। प्रबन्धन में नैतिक सद्गुणों की भूमिका।

तृतीय इकाई– प्रमुख नैतिक सदगुण और उनका दर्शन–

अ. वेद, उपनिषद् एवं भगवद्गीता ।

ब. प्लेटो, अरस्तु एवं काण्ट।

चतुर्थ इकाई– प्रमुख आधुनिक दार्शनिक और प्रबन्धन मूलक दृष्टिकोण–

I. 1. दयानन्द सरस्वती 2. महात्मा गांधी 3. बी0 आर0 अम्बेडकर

अथवा

II. 1 हुसर्ल 2. सार्त्र 3. कार्ल मार्क्स

पंचम इकाई– प्रबन्धन की प्रमुख व्यावहारिक समस्याएँ–

1 विकास की चुनौती 2. तनाव प्रबन्धन की समस्या

प्रमुख दार्शनिक समाधान–

वेद,योग दर्शन, भगवद्गीता,एवं बौद्ध दर्शन ।

Philosophy of Management

Unit 1 :- Meaning, Definition and Nature of Management, Function and Main Principal of Management, Main qualities/Virtues of A Manager.

Unit 2 : Main Types of Management – Self Management, Group management, society management and Professonal management. The role of Ethical manners in management.

Unit-3 : Main Ethical Manners and their Philosophy-

(a) Vedas, Upnishadas and Bhagvad Gita

(b) Plato, Aristotle and Kant

Unit- 4 : Main Modern Philosophers and their view point of management-

I. (i) Dayananda Saraswati (ii) Mahatma Gandhi (iii)B.R. Ambedkar

Or

II. (i) Husserl (ii) Sartra (iii) Karl Marx

Unit- 5: (a) Main practical problems of management-

1. The challenge of development
2. Problem of tension management

(b) Main Philosophical solutions-

Veda, Philosophy of Yoga, Bhagvadgita, and Boudh .

सन्दर्भ एवं सहायक ग्रन्थ सूची :–

देसाई वसंत –– प्रबन्धन के सिद्धान्त,1686,पुराना दरियागंज नई दिल्ली

फ्रीमोंट ई0केस्ट एव जेम्सं ई0 रोजेनविग – आर्गेनाइजेशन एंड मैनेजमेन्ट, मेकग्रो हिल बुक कम्पनी,न्यूयार्क, चतुर्थ संस्करण 1985

जार्ज आर.टेरी– प्रिंसिपल्स ऑफ मैनेजमेन्ट 1972,रिचर्ड डी0 इर्विन,होमवुड इलिनास

एल.सी. मेगिनसनए,डी0सी0 मास्ले एवं पी0एच0पायट्री–मैनेजमेन्टःद कंसेप्ट्स एंड एप्लीकेशन्स, हार्पस एंड रो न्यूयार्क–1983

बाबा साहेब डॉ0 अम्बेडकर सम्पूर्ण वाड्मय–(खण्ड 2) संवैधानिक सुधार एवं आर्थिक समस्याएं

,, – (खण्ड 12) रूपये की समस्याः इसका उद्भव और समाधान

वेदालंकार डॉ0 जयदेव– वैदिक दर्शन

महर्षि पतंजलि –योग सूत्र